लसीका फाइलेरिया (एलएफ)

प्रसंग

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने लसीका फाइलेरिया (एलएफ) को खत्म करने के लिए भारत के रोडमैप पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुख्य विशेषताएं:

- मंत्री ने उल्लेख किया कि एलएफ एक उपेक्षित बीमारी नहीं है बल्कि इसका उन्मूलन अत्यंत आवश्यक है।
- भारत 2027 तक लसीका फाइलेरिया को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है जो मिशन मोड के माध्यम से वैश्विक लक्ष्य से तीन साल आगे है।
- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अन्य बीमारियों के उन्मूलन में देश के व्यापक अनुभव से सीखते हुए, हम एलएफ के उन्मूलन के लिए नए सिरे से पांच-स्तरीय रणनीति लेकर आए हैं।
- पांच स्तंभ इस प्रकार हैं:
  - मल्टी-ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान वर्ष में दो बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी और 10 अगस्त) के साथ सामंजस्य बिठाता है।
  - रुग्णता प्रबंधन और विकलांगता (एमएमडीपी) सेवाओं को मजबूत करने के लिए मेडिकल कॉलेजों की शीघ्र निदान और उपचार-नियुक्ति।
  - बहु क्षेत्रीय समन्वित प्रयासों के साथ एकीकृत वेक्टर नियंत्रण।
  - संबद्ध विभागों और मंत्रालयों के साथ अंतर क्षेत्रीय अभिसरण के लिए।
  - LF के लिए मौजूदा डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना और वैकल्पिक डायग्नोस्टिक्स की खोज करना।

लिम्फेडेमा के -60% मामले चार राज्यों यूपी, ओडिशा, तेलंगाना और बिहार में होते हैं।

लसीका फाइलेरिया के बारे में:

- लसीका फाइलेरिया, जिसे सामान्य रूप से हाथी पांव के रूप में जाना जाता है, एक है उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग है।
- लसीका फाइलेरिया फाइलेरियोडिडिया परिवार के नेमाटोड (राउंडवॉर्म) के रूप में वर्गीकृत परजीवियों के संक्रमण के कारण होता है।
- संक्रमण आमतौर पर बचपन में होता है जिससे लसीका तंत्र को गुप्त क्षति होती है।
- कुछ समय बाद लिम्फोएडेमा, एलिफेंटियासिस और अंडकोश की सूजन होती है जो स्थायी अक्षमता का कारण बन सकती है।
- विश्व स्वास्थ्य सभा संकल्प WHA50.29 सदस्य देशों को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में लसीका फाइलेरिया को खत्म करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- WHO ने 2000 में लसीका फाइलेरियासिस (GPELF) को खत्म करने के लिए अपना वैश्विक कार्यक्रम शुरू किया।
- WHO की रणनीति 2 प्रमुख घटकों पर आधारित है:
  - जिन क्षेत्रों में संक्रमण है वहां के सभी पात्र लोगों के बड़े पैमाने पर वार्षिक उपचार के माध्यम से संक्रमण के प्रसार को रोकना ।
  - देखभाल के अनुशंसित आवश्यक पैकेज के प्रावधान के माध्यम से लसीका फाइलेरिया के कारण होने वाली पीड़ा को कम करना।
- सत्रह देशों और क्षेत्रों को अब सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में लसीका फाइलेरिया के उन्मूलन के रूप में स्वीकार किया गया है।
- 2018 तक 51 मिलियन लोग संक्रमित थे, 2000 में लसीका फाइलेरिया को खत्म करने के लिए डब्ल्यूएचओ के वैश्विक कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से 74% की गिरावट आई है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)

प्रसंग

केंद्र सरकार की एकीकृत खाद्य सुरक्षा योजना का नाम प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) रखा गया है, जिसके अंतर्गत 1 जनवरी से 80 करोड़ से अधिक गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न दिया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु :-

- PMGKAY को अप्रैल 2020 में कोरोनावायरस महामारी के मद्देनजर लॉन्च किया गया था। ध्यातव्य है कि यह

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013:

- इसका उद्देश्य उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले भोजन की पर्याप्त मात्रा तक पहुंच सुनिश्चित करके लोगों को

- सरकार ने पीएमजीकेएवाई को दो मौजूदा खाद्य सब्सिडी योजनाओं में समाहित करने का निर्णय लिया जिसके परिणामस्वरूप नई एकीकृत खाद्य सुरक्षा योजना लागू हुई।
- नई योजना का नाम प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) रखा गया है।

नई योजना सुविधाएँ

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत पात्रता के अनुसार गरीब लाभार्थियों को वर्ष 2023 के लिए PMGKAY के तहत मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा।
- 0 दिसंबर 2022 तक, एनएफएसए लाभार्थी मोटे अनाज, गेहूं और चावल के लिए क्रमशः ₹ 1, ₹ 2 और ₹ 3 प्रति किलोग्राम की अत्यधिक सब्सिडी वाली दर पर अपना खाद्यान्न प्राप्त कर रहे थे।
- अब, वे इसे इस वर्ष निःशुल्क प्राप्त करेंगे।
- राशन कार्ड धारक अब रियायती दर के बजाय प्रति माह 5 किलो गेहूं या चावल मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं।
- अंत्योदय अन्न योजना कार्डधारकों को 35 किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न प्राप्त होगा।

पिछली योजना (पीएमजीकेएवाई)

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई) प्रवासियों और गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति करने के लिए आत्मनिर्भर भारत के हिस्से के रूप में एक योजना थी।
- इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत कवर किए गए प्रत्येक व्यक्ति को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से पहले से ही प्रदान किए गए 5 किलो सब्सिडी वाले खाद्यान्न के अलावा अतिरिक्त 5 किलो अनाज (गेहूं या चावल) मुफ्त में प्रदान करना है।
- नोडल मंत्रालय- वित्त मंत्रालय।

भोजन और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

- एनएफएसए 2013 में पूरी तरह से भारतीय आबादी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा शामिल है।

प्रावधान

75% ग्रामीण और 50% शहरी आबादी लाभार्थियों की दो श्रेणियों के तहत अत्यधिक सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने योग्य हैं-

अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवार और प्राथमिकता घरेलू (पीएचएच)

- यह अधिनियम प्रति एएवाई परिवार प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न , जबकि प्रति पीएचएच व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न के अधिकारी होते हैं ।
- इसमें लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) के तहत पात्र परिवारों को रियायती मूल्य पर खाद्यान्न प्राप्त होता है-चावल 3 रुपये/किग्रा, गेहूं 2 रुपये/किग्रा और मोटा अनाज 1 रुपये/किलोग्राम दिया जाता है ।

कवरेज- 81.35 करोड़ लाभार्थी अभी भी 2011 की जनगणना पर आधारित हैं।

शिकायत निवारण- भारत के प्रत्येक राज्य को किसी भी शिकायत के निवारण के लिए एक तंत्र बनाने की आवश्यकता है।

महिलाओं और बच्चों हेतु विशेष प्रावधान

संक्षिप्त सुर्खियां

मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर)

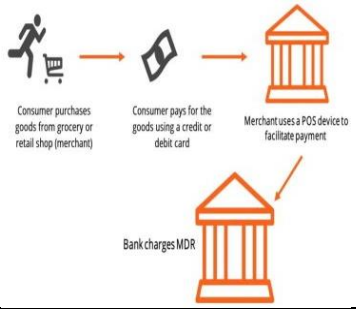

प्रसंग

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने RuPay कार्ड और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) का उपयोग करके भुगतान को बढ़ावा देने के लिए ₹ 2,600 करोड़ के परिव्यय को मंजूरी दी।
- यूपीआई और रुपे लेनदेन के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की कमी को देखते हुए बैंकों को फंड का भुगतान किया जाएगा।

मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर)

- एमडीआर एक शुल्क है जो व्यापारियों से यूपीआई, डिजिटल वॉलेट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किए गए भुगतान को संसाधित करने के लिए लिया जाता है।

- व्यापारी छूट दर को लेनदेन छूट दर (टीडीआर) भी कहा जाता है।
- एमडीआर संसाधित प्रत्येक बिक्री लेनदेन के प्रतिशत के रूप में दिया जाता है।
- हालांकि यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड के माध्यम से भुगतान किसी भी एमडीआर को आकर्षित नहीं करता है, यह अन्य सभी डेबिट कार्डों के लिए 0.9 प्रतिशत पर सीमित है।
- प्रत्येक लेनदेन के लिए व्यापारी द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि को तीन हितधारकों के बीच वितरित किया जाता है-
  - बैंक जो लेनदेन को सक्षम बनाता है।
  - विक्रेता जो पॉइंट ऑफ़ सेल (PoS) मशीन स्थापित करता है।
  - कार्ड नेटवर्क प्रदाता जैसे Visa, MasterCard, RuPay।

वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2023

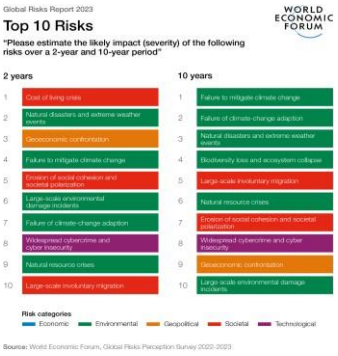

प्रसंग

हाल ही में, विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2023 जारी की गई।

मुख्य विशेषताएं:

- यह इस समय दुनिया के सामने सबसे बड़े अल्पकालिक जोखिम के रूप में रहने के संकट को उजागर करता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ा दीर्घकालिक खतरा है।
- इसने कहा कि यूक्रेन में रूस के युद्ध और कोविड-19 महामारी ने ऊर्जा संकट, भोजन की कमी और मुद्रास्फीति को सबसे अधिक दबाव वाले वैश्विक मुद्दों के रूप में प्रेरित किया है।
- यह देखा गया कि एआई, क्वांटम और बायोटेक्नोलॉजी जैसी प्रौद्योगिकियां असमानताओं और डिजिटल विभाजन को बढ़ाएँ (यदि इसे कम करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाती है) जा रही हैं

भारत के लिए प्रमुख जोखिम

- डिजिटल असमानता, संसाधनों के लिए भू-राजनीतिक टकराव, हाई लिविंग कॉस्ट , ऋण संकट, प्राकृतिक आपदाएं और चरम मौसम की घटनाएं।
- रिपोर्ट कहती है कि दुनिया को "पारिस्थितिक विनाश" और निरंतर ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए अगले दशक में जलवायु शमन और अनुकूलन पर अधिक प्रभावी ढंग से सहयोग करना चाहिए।

डायनासोर की चार प्रजातियां

प्रसंग

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने चिली पैटागोनिया में एक दुर्गम घाटी में मेगाराप्टर सहित डायनासोर की चार प्रजातियों के अवशेष पाए हैं, जो कि थेरोपोड परिवार से संबंधित है। यह पिछले एक दशक में एक महत्वपूर्ण जीवाश्म निक्षेप के रूप में उभरा है।

मुख्य विशेषताएं:

- अर्जेंटीना की सीमा के पास दक्षिणी चिली की लास चिनास घाटी में सेरो गुइडो में जीवाश्म पाए गए, जिन्हे 2021 में एक प्रयोगशाला में ले जाया गया।
- शोधकर्ताओं ने कहा कि वे डायनासोर से संबंधित हैं। यद्यपि डायनासोर के अवशेष पहले इस क्षेत्र में नहीं पाए गए।
- इन मांसाहारी डायनासोरों के रैप्टर पंजे, फाड़ने के लिए छोटे दांत और बड़े ऊपरी अंग थे, जो इन्हे खाद्य श्रृंखला के शीर्ष पर रखते थे।

- इनका अस्तित्व क्रिटेशियस अवधि के अंत में 66 और 75 मिलियन वर्ष पहले था।
- उन्हें दो पक्षी प्रजातियों के अवशेष भी मिले-
  - एक Enantiornithe, Mesozoic के पक्षियों का सबसे विविध और प्रचुर समूह।
  - ऑर्निथुरिने, एक समूह जो सीधे तौर पर आज के पक्षियों से संबंधित है।

राजमाता जिजाऊ

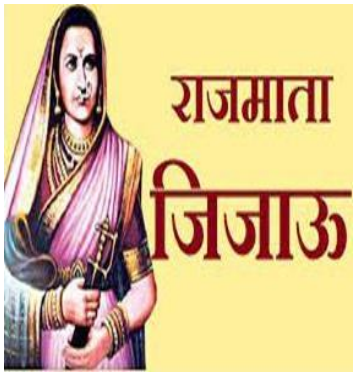

प्रसंग

प्रधान मंत्री ने राजमाता जीजाऊ को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान व्यक्ति का मार्गदर्शन करने के लिए उनका नाम हमेशा हमारे इतिहास का अंग रहेगा।

राजमाता जिजाऊ के बारे में:

- जीजाबाई का जन्म 12 जनवरी 1598 को सिंदखेर नामक गांव में हुआ था।
- जीजाबाई लखूजी जाधव की इकलौती बेटी थीं और उन दिनों प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार जीजाबाई की शादी कम उम्र में (8 साल की उम्र में) शाहजी भोंसले से कर दी गई थी।
- लखूजी जाधव महाराष्ट्र के वर्तमान बुलढाणा जिले के सिंधखेड के निकट देउलगांव के रहने वाले थे।
- जीजाबाई को मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की मां राजमाता जीजाबाई के नाम से भी जाना जाता है।
- वह शिवाजी मार्गदर्शक थीं। ये शिवाजी के लिए न केवल उनकी मित्र, मार्गदर्शक थीं बल्कि प्रेरणा की एक महान स्रोत भी थीं।
- मुश्किलों और विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने कभी हिम्मत और धैर्य नहीं खोया। उन्होंने अपने बेटे को नैतिक मूल्य और आदर्शों की शिक्षा दी ।

भारत का पहला जिला

प्रसंग

विदिशा स्टार्टअप्स द्वारा प्रस्तावित अभिनव 5जी उपयोग मामलों की जमीनी तैनाती के लिए भारत का पहला जिला बन गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह विदिशा जिला प्रशासन और टेलीमैटिक्स विकास केंद्र (C-DOT), दूरसंचार विभाग (DoT) की एक संयुक्त पहल है।
- डीओटी सामाजिक-आर्थिक कार्यक्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए स्टार्टअप और एसएमई के 5जी यूज केस प्रमोशनल पायलट के तहत सहयोग की सुविधा प्रदान करता है।

5G क्या है?

- 5G 5वीं पीढ़ी का मोबाइल नेटवर्क है। यह 1G, 2G, 3G और 4G नेटवर्क के बाद एक नया वैश्विक वायरलेस मानक है।
- 5G एक नए प्रकार के नेटवर्क को सक्षम बनाता है जिसे मशीनों, वस्तुओं और उपकरणों सहित वस्तुतः सभी को और सब कुछ एक साथ जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- 5जी वायरलेस तकनीक उच्च मल्टी-जीबीपीएस पीक डेटा स्पीड, अल्ट्रा-लो लेटेंसी, अधिक विश्वसनीयता, बड़े पैमाने पर नेटवर्क क्षमता, बढ़ी हुई उपलब्धता और अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए एक समान उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करने के लिए है।

- उच्च प्रदर्शन और बेहतर दक्षता नए उपयोगकर्ता अनुभवों को सशक्त बनाएगी और नए उद्योगों को जोड़ेगी।

कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान

प्रसंग

हाल ही में, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में और चीते लाये जायेंगे।

मुख्य विशेषताएं:

· भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा तैयार 'भारत में चीता के रीइनट्रोडक्शन के लिए कार्य योजना' के भाग के रूप में सितंबर 2022 में पांच मादा और तीन नर चीतों को यहाँ लाया गया था।

कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान

- कूनो राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश, भारत में राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य है।
- चंबल नदी की मुख्य सहायक नदियों में से एक, कूनो नदी, राष्ट्रीय उद्यान प्रभाग की पूरी लंबाई को काटती है।
- इसे श्योपुर और मुरैना जिलों में 344.686 किमी2 (133.084 वर्ग मील) के प्रारंभिक क्षेत्र के साथ एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में 1981 में स्थापित किया गया था।
- 2018 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया।
- यह खथियार-गिर शुष्क पर्णपाती जंगलों के ईकोरियोजन का भाग है।
- कूनो में भारत में पाए जाने वाले चीते की चारो श्रेणियों की आबादी को वहन करने की क्षमता है। बाघ, तेंदुआ, एशियाई शेर, और चीता भी, ये चारों एक ही निवास स्थान में सह-अस्तित्व में हैं।

· जीव

- यह भारतीय भेड़िये, गीदड़, चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली सुअर, तेंदुआ, लंगूर बंदर, नीलगाय, चिंकारा और चित्तीदार हिरण का भी निवास स्थान है।

वनस्पति

- संरक्षित क्षेत्र की वनस्पति में एनोजिसस पेंडुला वन और झाड़ी, बोसवेलिया और बुटिया वन, शुष्क सवाना वन और घास के मैदान और उष्णकटिबंधीय नदी के जंगल शामिल हैं।

राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार

प्रसंग

राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार 2022 के परिणामों की घोषणा 16 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा उद्योग मंत्री द्वारा की जाएगी।

मुख्य विशेषताएं:

- यह पुरस्कार स्टार्टअप्स और समर्थकों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करता है।
- भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में स्टार्टअप्स को मान्यता देने के लिए इस वर्ष एक विशेष पुरस्कार श्रेणी शुरू की गई है।
- प्रत्येक विजेता स्टार्टअप को 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा।
- एक असाधारण इनक्यूबेटर और एक एक्सेलरेटर के लिए 15 लाख रुपये नकद मूल्य।
- केंद्रीय मंत्री MAARG प्लेटफॉर्म (मेंटरशिप, एडवाइजरी, असिस्टेंस, रेजिलिएंस एंड ग्रोथ) भी लॉन्च करेंगे, जो सेक्टरों, चरणों और कार्यों में स्टार्टअप्स और उद्यमियों के बीच मेंटरशिप की सुविधा प्रदान करेगा।
- पोर्टल का मैचमेकिंग चरण, जिसे इस अवसर पर लॉन्च किया जाएगा, स्टार्टअप्स को मेंटर्स के साथ जुड़ने और

	उनकी मेंटरशिप जरूरतों पर चर्चा करने की अनुमति देगा।
ऑनलाइन गेमिंग में भारत का पहला उत्कृष्टता केंद्र	**प्रसंग** सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के माध्यम से शिलांग में ऑनलाइन गेमिंग में भारत का पहला उत्कृष्टता केंद्र ,डिजिटल इंडिया स्टार्टअप हब की स्थापना की जाएगी। **मुख्य विशेषताएं:** • शिलांग में उत्कृष्टता केंद्र से पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र के स्टार्टअप्स और उद्यमियों को नेक्स्ट जेन ऑनलाइन गेमिंग इकोसिस्टम बनाने के लिए उत्प्रेरित करने की उम्मीद है। • MeitY ने हाल ही में सार्वजनिक परामर्श के लिए ऑनलाइन गेमिंग के संबंध में IT नियम 2021 में मसौदा संशोधन परिचालित किया है। • MeitY मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार पीएमकेवीवाई 4.0 के माध्यम से स्किल इंडिया को फिर से शुरू कर रही है, जो मेघालय में लगभग 50,000 युवाओं को उद्योग समर्थित नौकरी के अवसरों के साथ भविष्य के लिए तैयार कौशल में प्रशिक्षित करेगा। • मंत्री ने शिलांग में अत्याधुनिक डिजिटल कौशल पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी (एनआईईएलआईटी) के तहत एक अत्याधुनिक सुविधा स्थापित करने के लिए एमईआईटीवाई की एक और पहल की घोषणा की।
अध्ययन: लॉग (काटे गए) उष्णकटिबंधीय वन वातावरण में कार्बन का उत्सर्जन कर सकते हैं	**प्रसंग** हाल ही में, एक नए अध्ययन में पाया गया है कि उष्णकटिबंधीय वन, जो लॉग (काटे गए) या खराब हो गए हैं, कम से कम एक दशक तक कार्बन उत्सर्जन का स्रोत बनेंगे। **मुख्य विशेषताएं:** • ये निष्कर्ष पूर्ववर्ती धारणा के विपरीत हैं। पूर्ववर्ती धारणा यह थी कि उष्णकटिबंधीय वन वातावरण में उत्सर्जित कार्बन की तुलना में अधिक कार्बन को अवशोषित करते हैं क्योंकि यहाँ पेंडो का विकास अत्यंत तीव्र गति से होता है। • अध्ययन ने अक्षुण्ण और लॉग किए गए जंगलों दोनों से एकत्र किए गए डेटा की तुलना की और निष्कर्ष निकाला और पाया कि लॉग किये गए वन अपनी क्षतिग्रस्त मिट्टी और सड़ने वाली मृत लकड़ी से पर्याप्त मात्रा में कार्बन छोड़ते हैं। **कार्बन पृथक्करण** ▪ कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन वैश्विक कार्बन चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यह वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ने और संग्रहीत करने की प्रक्रिया है।ध्यातव्य है कि वन और अन्य भूमि वनस्पति प्रकाश संश्लेषण के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। ▪ उष्णकटिबंधीय वन वातावरण से 30 प्रतिशत तक मानव कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को हटाते हैं और एक महत्वपूर्ण कार्बन सिंक बनाते हैं। ▪ इसलिए, वैश्विक तापमान को कम रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com